द्रुतविलम्बित छन्द

class :- B.A III
Deptt :- Sansk

लक्षण :- द्रुतविलम्बितमाह नभौ भरौ ।

अर्थ :- द्रुतविलम्बित छन्द में नगण, भगण भगण और रगण होते हैं। इसके प्रत्येक चरण में 12 अक्षर होते हैं पदान्त में यति होती है।

[।।।, S।।, S।। S।S]

उदा० —

नवपलाश-पलाशवनं पुरः
।।। S।। S।। S।S

स्फुटपराग परागत पंकजम् ।
।।। S।। S।। S।S

मृदुलतान्त-लतान्तमलोकयत्
।।। S।। S।। S।S

स सुरभिं सुरभिं सुमनोभरैः ॥
।।। S।। S।। S।S